सैंपल पेपर्स

गोल्डन सैंपल पेपर–1

हिंदी *(कोर्स-बी)*

कक्षा–X

निर्धारित समय : 3 घंटे *पूर्णांक : 80*

निर्देश : I. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं–क, ख, ग और घ।
II. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

खंड 'क'

1. ***निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–***

वास्तविक जीवन में जिस आचरण की अपेक्षा व्यक्ति या समूह से की जाती है उसकी झलक तक पाना मुश्किल हो गया है। यही कारण है कि गाँधीगीरी की काल्पनिक अवधारणा से महत्त्व पाने के लिए कुछ लोगों की नौटंकी की वाहवाही प्रचार माध्यमों ने जमकर की, लेकिन अब गाँधी जयंती बीतने के बाद न तो कोई गुलाब का फूल भेंट करता दिखाई देता है और न ही कोई छूट वाले काउंटरों से गाँधी टोपी ही खरीदता नज़र आता है। गाँधी को 'गीरी' के रूप में आँकने के सिनेमाई कथानक का कोई स्थायी प्रभाव हो भी नहीं सकता। फिल्म उतरी और प्रभाव चला गया। गाँधी को बाह्य आवरण से समझने के कारण वर्षों से हम दो अक्तूबर और तीस जनवरी को कुछ आडंबर अवश्य करते चले आ रहे हैं, लेकिन जिन जीवन-मूल्यों के प्रति आस्थावान होने की हम सौगंध खाते हैं और उन्हें आचरण में उतारने का संकल्प व्यक्त करते हैं उसका लेशमात्र प्रभाव भी हमारे आस-पास के जीवन में प्रतीत नहीं होता। जिसे हमने स्वतंत्रता के लिए संग्राम की संज्ञा दी थी उस संपूर्ण प्रयास को गाँधीजी ने स्वराज्य के लिए अभियान की संज्ञा प्रदान की थी। स्वतंत्रता के लिए संघर्ष और स्वराज्य के लिए अभियान का अंतर अतीत का संज्ञान रखने वाले ही समझ सकते हैं। विदेशियों के सत्ता में रहने के बावजूद हम स्वतंत्र थे, क्योंकि हमारी आस्था 'स्व' में निरंतर प्रगाढ़ होती जा रही थी। 'स्व' में आस्था की प्रगाढ़ता के लिए निरंतर प्रयास होते रहे। इसीलिए गाँधी जी का अभियान स्वराज्य का था, स्वतंत्रता का नहीं। उसके स्वराज्य की भी एक निश्चित अवधारणा थी। सर्वसाधारण को वह अवधारणा समझ में आ सके, इसलिए उन्होंने कहा था कि हमारा स्वराज्य रामराज्य होगा।

1. इस अनुच्छेद का उचित शीर्षक दीजिए। 1
2. किस बात को नौटंकी कहा गया है और क्यों? 2
3. दो अक्तूबर और तीस जनवरी किसलिए विशेष हैं? 2
4. स्वराज्य और स्वतंत्रता में क्या अंतर है? 2
5. गाँधी जी कैसा स्वराज्य चाहते थे? 2

2. ***निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–***

लक्ष्य तक पहुँचे बिना, पथ में पथिक विश्राम कैसा।
लक्ष्य है अति दूर दुर्गम मार्ग भी हम जानते हैं
किंतु पथ के कंटकों को हम सुमन ही मानते हैं
जब प्रगति का नाम जीवन, यह अकाल विराम कैसा।। लक्ष्य तक ···।

धनुष से जो छूटता है बाण कब मग में ठहरता
देखते ही देखते वह लक्ष्य का ही वेध करता
लक्ष्य-प्रेरित बाण हैं हम, ठहरने का काम कैसा।। लक्ष्य तक ···।

बस वही है पथिक जो पथ पर निरंतर अग्रसर हो
हो सदा गतिशील जिसका लक्ष्य प्रतिक्षण निकटतर हो।
हार बैठे जो डगर में पथिक उसका नाम कैसा।। लक्ष्य तक ···।

बाल रवि की स्वर्ण किरणें निमिष में भू पर पहुँचतीं
कालिमा का नाश करतीं, ज्योति जगमग जगत धरती
ज्योति के हम पुंज फिर हमको अमा से भीति कैसा।। लक्ष्य तक ···।

आज तो अति ही निकट है देख लो वह लक्ष्य अपना
पग बढ़ाते ही चलो बस शीघ्र होगा सत्य सपना।
धर्म-पथ के पथिक को फिर देव दक्षिण वाम कैसा।। लक्ष्य तक ···।

(क) आशय स्पष्ट कीजिए–
किंतु पथ के कंटकों को हम सुमन ही मानते हैं। 2

(ख) भाव स्पष्ट कीजिए– 2
लक्ष्य-प्रेरित बाण हैं हम

(ग) पथिक नाम को वास्तव में कौन सार्थक करता है? 2

अथवा

चलते चलो, चलते चलो
सूरज के संग-संग चलते चलो, चलते चलो।
तम के जो बंदी थे
सूरज ने मुक्त किए
किरणों से गगन पोंछा
धरती को रंग दिए
रुकने का मरण नाम, पीछे सब प्रसार है।
आज है रंग-महल, युग के ही संग-संग चलो।
मानव जिस ओर गया
नगर बने, तीर्थ बने
तुम से कौन बड़ा?
गगन-सिंधु मित्र बने
भूमि का भोगो सुख, नदियों का सोम पियो।
त्यागो सब जीर्ण वसन, नूतन के संग चलते चलो।

(क) सूरज ने अपने प्रभाव से कौन-कौन-सा महत्त्वपूर्ण कार्य किया? 2

(ख) तम के वे कौन-से बंदी थे जिन्हें सूरज ने मुक्त कर दिया? 2

(ग) कवि मानव को क्या प्रेरणा देता है? 2

खंड 'ख'

3. रेखांकित पद का भेद बताइए– 1

बिल्ली को मत मारो

4. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन का निर्देशानुसार उत्तर दीजिए– 3

(*i*) **मिश्र वाक्य बनाइए–**

बालक को रोते देखकर मैंने उससे रोने का कारण पूछा।

(*ii*) **दो सरल वाक्यों से एक संयुक्त वाक्य बनाइए–**

- वह अपने घर गया।
- वह अपने काम में लग गया।

(*iii*) **मिश्र वाक्य बनाइए–**

नीरजा ने कविता सुनाई और नमिता रो पड़ी।

(*iv*) जैसे ही मालिक आया, नौकर काम में लग गया।

5. (क) **निम्नलिखित में से किन्हीं दो का विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए–** 2

स्नेहमग्न, राजमहल, चतुरानन।

(ख) **निम्नलिखित में से दो विग्रहों से समस्त पद बनाइए तथा समास का नाम लिखिए–** 2

राम और शाम, अकाल से पीड़ित, जहाँ तक संभव हो।

6. ***उपयुक्त मुहावरों के रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–*** 3

(*i*) उसके मन में इतना द्वेष है कि वह हर जगह मेरे रास्ते में .....

(*ii*) जब से वह चुनाव जीता है, उसकी तूती .....

(*iii*) शेर को सामने आया देखकर वह ..... भागा।

(*iv*) अध्यापक के जाते ही बच्चों ने आसमान .....

7. ***नीचे लिखे किन्हीं चार वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए–*** 4

(क) फूलों की लाल माला मुझे पसंद है।

(ख) यह फिल्म अच्छी बहुत है।

(ग) नेहरू चीन से भी लड़ाई नहीं की।

(घ) हम तुमको वहाँ देखा था।

(ङ) हमने बात किया।

खंड 'ग'

8. ***निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–*** 2 + 1 + 2 = 5

(क) सुभाष बाबू के जुलूस में स्त्री समाज भी पुरुषों से पीछे नहीं रहा। 'डायरी का एक पन्ना' पाठ के आधार पर स्पष्ट करें।

(ख) शुद्ध सोना और गिन्नी का सोना अलग-अलग कैसे है? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

कर्नल ने सआदत अली को अवध के तख्त पर क्यों बैठाया?

(ग) लेखक के मित्र ने जापान में मानसिक रोग बढ़ने के क्या-क्या कारण बताए? आप इन कारणों से कहाँ तक सहमत हैं?

9. 'नेचर की सहनशक्ति की एक सीमा होती है।' गत कुछ वर्षों में घटित किसी घटना का उल्लेख करते हुए कथन की पुष्टि करें। 5

अथवा

आपके माता-पिता द्वारा दी जा रही हिदायतों और पढ़ाई के लिए डाँट-फटकार के प्रति आपकी क्या प्रतिक्रिया होती है। अपने अनुभव बड़े भाई साहब पाठ के आधार पर लिखिए।

10. ***निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–*** 2+2+1=5

(क) संसार में सुखी व्यक्ति कौन है और दुखी कौन है? कबीर ने 'सोना' और 'जागना' शब्दों का प्रयोग किस संदर्भ में किया है?

(ख) 'कर चले हम फ़िदा' कविता क्या संदेश देती है?

(ग) बिहारी कवि के अनुसार गोपियाँ श्रीकृष्ण की बाँसुरी क्यों छिपा लेती हैं?

अथवा

'मनुष्यता' कविता में किस मृत्यु को सुमृत्यु कहा गया है?

11. 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविता का सौंदर्य अपने शब्दों में लिखिए। 5

अथवा

'आत्मत्राण' कविता का मूल भाव स्पष्ट कीजिए।

12. **(क)** 'वर्तमान समय में वृद्धाश्रमों की बड़ी आवश्यकता है।' इस विषय पर अपना मत प्रस्तुत कीजिए। 3

अथवा

टोपी और इफ़्फन अलग-अलग मज़हब और जाति के थे, पर एक अदृश्य अटूट रिश्ते से बँधे थे।– इस कथन के आलोक में अपने विचार स्पष्ट करें।

(ख) हैडमास्टर साहब ने पी.टी. साहब को क्यों मुअत्तल कर दिया? 2

खंड 'घ'

13. ***दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए–*** **5**

(क) भारत में नारी, नहीं रही बेचारी

- आधुनिक नारी
- अधिकारों की पहचान
- समाज को सशक्त बनाने में योगदान

(ख) पहला सुख निरोगी काया

- आधुनिक जीवन-शैली
- सुख और दुख शरीर में ही
- व्यायाम और स्वास्थ्य

(ग) स्मार्ट क्लास

- स्मार्ट क्लास क्या है
- छात्रों में आकर्षण का केंद्र
- छात्रों पर प्रभाव

14. आपके मोहल्ले में रास्ते में जा रही महिला के गले से सोने की चेन खींच ली गई। इसकी सूचना प्रत्यक्षदर्शी के रूप में थानाधिकारी को पत्र द्वारा दीजिए। 5

अथवा

बस-चालक एवं बस कंडक्टर के शालीन व्यवहार की प्रशंसा करते हुए परिवहन निगम के महाप्रबंधक को पत्र लिखिए।

15. होली के अवसर पर विद्यालय में छुट्टी होने की सूचना 25-30 शब्दों में लिखिए। 5

अथवा

सभी विद्यार्थियों को 31 जनवरी तक पूरी फीस जमा करानी है, यह सूचना 25-30 शब्दों में लिखिए।

16. किसी नए हेयर कटिंग सैलून अथवा मिष्ठान भंडार का विज्ञापन 50 शब्दों में लिखिए। 5

17. आप रमेश हैं। 50 शब्दों में अपने मित्र से संवाद कीजिए कि वह कल आपको स्कूल में अपनी साइकिल पर बैठाकर ले जाए। 5

अथवा

आप भाषण प्रतियोगिता में प्रथम आए हैं, अपने अध्यापक से आशीर्वाद माँगते हुए 50 शब्दों में संवाद लिखिए।

गोल्डन सैंपल पेपर–2

हिंदी *(कोर्स-बी)*

कक्षा–X

निर्धारित समय : 3 घंटे *पूर्णांक : 80*

खंड 'क'

1. ***निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–***

जिसने अपनी पूरी ज़िंदगी देश सेवा में अर्पित कर दी हो, उसके आदर्शों का मूल्यांकन करना आसान है क्या? आप मिलें तो मालूम होगा कि इस वृद्धा की आत्मा समाज को कुछ देने के लिए आज भी कितनी बेचैन है। यही बेचैनी भाभी की ज़िंदगी है और पागलपन भी। कभी देश के लिए इसी तरह पागल होकर उन्होंने अपना सर्वस्व दाँव पर लगा दिया था। शिव दा बताते हैं कि जब दुर्गा भाभी के पति भगवतीचरण बोहरा 1930 में रावी तट पर बम विस्फोट में शहीद हो गए, तो भाभी ने डबडबाई आँखों को चुपचाप पोंछ डाला था। उस दिन भैया चंद्रशेखर आज़ाद ने धैर्य बँधाते हुए कहा था–''भाभी, तुमने देश के लिए अपना सर्वस्व दे दिया है। तुम्हारे प्रति हम अपने कर्तव्य को कभी नहीं भूलेंगे।''

भैया आज़ाद का स्वर सुनकर भाभी के होंठों पर दृढ़संकल्प की एक रेखा खिंच गई थी उस दिन। वे उठ बैठीं। बोलीं–''पति नहीं रहे, लेकिन दल का काम चलेगा, रुकेगा नहीं। मैं करूँगी।'' और भाभी दूने वेग से क्रांति की राह पर चल पड़ीं। उनका पुत्र शची तब तीन वर्ष का था, पर उन्होंने उसकी परवाह नहीं की। वे बढ़ती गईं, जिस राह पर जाना था उन्हें। रास्ते में दो पल बैठकर कभी सुस्ताया नहीं। दाँव देखकर कहीं ठहरी नहीं। चलती रहीं–निरंतर। जैसे चलना ही उनके लिए जीवन का ध्येय बन गया हो। भगतसिंह और बटुकेश्वर दत्त को जेल से छुड़ाने के लिए आज़ाद और उनके साथी जब चले, तो भाभी ने आज़ाद से आग्रह किया–''संघर्ष में मुझे भी चलने दीजिए। यह हक सर्वप्रथम मेरा है।''

आज़ाद ने इसकी स्वीकृति नहीं दी। यह योजना कामयाब भी नहीं हो पाई। कहा जाता है कि भगतसिंह ने स्वयं इसके लिए मना कर दिया था।

(क) इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए। 1

(ख) भाभी के जीवन की बेचैनी क्या थी? 2

(ग) सर्वस्व दाँव पर लगाने का आशय स्पष्ट कीजिए। 2

(घ) भाभी के पति का क्या नाम था? उनकी मृत्यु कैसे हुई? 2

(ङ) आज़ाद ने भाभी को किस बात की स्वीकृति नहीं दी? 2

2. ***निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–***

मैंने देखा
एक बड़ा बरगद का पेड़ खड़ा है
उसके नीचे कुछ छोटे-छोटे पौधे
बड़े सुशील विनम्र
देखकर मुझको यों बोले–
हम भी कितने खुशकिस्मत हैं
जो खतरों का नहीं सामना करते
आसमान से पानी बरसे, आँधी गरजे
बिजली कड़के, आगी बरसे
हमको कोई फिक्र नहीं है
एक बड़े की वरद छत्रछाया के नीचे
हम अपने दिन बिता रहे हैं
बड़े सुखी हैं।

× × ×

मैंने देखा
एक बड़ा बरगद का पेड़ खड़ा है
उसके नीचे कुछ छोटे-छोटे पौधे
असंतुष्ट औ' रुष्ट
देखकर मुझको यों बोले
हम भी कितने बदकिस्मत हैं
जो खतरों का नहीं सामना करते
वे कैसे ऊपर को उठ सकते हैं
इसी बड़े की छाया ने ही
हमको बौना बना रखा
हम बड़े दु:खी हैं।

× × ×

मैंने देखा
एक बड़ा बरगद का पेड़ खड़ा है
उसके नीचे कुछ छोटे-छोटे पौधे
तने हुए, उद्दंड
देखकर मुझको यों गरजे–
हमको छोटा रखकर ही यह बड़ा बना है
जन्म अगर हम पहले पाते
तो हम इसके अग्रज होते
हम इसके दादा कहलाते–इस पर छाते
नहीं वक्त का जुल्म हमेशा
हम यों ही सहते जाएँगे
हम काँटों की आरी औ' कुल्हाड़ी अब तैयार करेंगे
फिर जब आप यहाँ आएँगे
बरगद की डाली-डाली कटती पाएँगे
ठूँठ मात्र यह रह जाएगा नंगा बूचा
और निगल जाएँगे तब हम इसे समूचा।

(क) सुशील लोग अपने को खुशकिस्मत क्यों समझते हैं? 2
(ख) स्वयं को बदकिस्मत मानने वालों के तर्क क्या हैं? 2
(ग) दूसरी और तीसरी पीढ़ी के लोगों में क्या अंतर है? 2

अथवा

जो बीत गई सो बात गई
जीवन में एक सितारा था
माना, वह बेहद प्यारा था
वह डूब गया तो डूब गया।
अंबर के आनन को देखो
कितने इसके तारे टूटे
कितने इसके प्यारे छूटे
जो छूट गए फिर कहाँ मिले;
पर बोलो टूटे तारों पर
कब अंबर शोक मनाता है?
जो बीत गई सो बात गई।

जीवन में वह था एक कुसुम
थे उस पर नित्य निछावर तुम
वह सूख गया तो सूख गया;
मधुवन की छाती को देखो
सूखी कितनी इसकी कलियाँ
मुरझाई कितनी वल्लरियाँ
जो मुरझाई फिर कहाँ खिलीं
पर बोलो सूखे फूलों पर
कब मधुबन शोर मचाता है?
जो बीत गई सो बात गई।

1. कवि ने आकाश के माध्यम से निराशा को भूलने का पाठ कैसे सिखाया? 2
2. कवि ने मधुबन के माध्यम से क्या संदेश दिया है? 2
3. सितारा और सूखी कलियाँ किसके प्रतीक हैं? 2

खंड 'ख'

3. रेखांकित पद का भेद लिखिए–

वह <u>सेवा</u> के लिए दान करता है। 1

4. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए– 3

(*i*) **निम्नलिखित सरल वाक्यों से एक संयुक्त वाक्य बनाइए–**

- वह बाज़ार में गया था।
- वह कार्यक्रम में न आ सका।

(*ii*) **निम्नलिखित वाक्य से एक मिश्र वाक्य बनाइए–**

आपने कठिन परिश्रम किया और उत्तीर्ण हो गए।

(*iii*) **निम्न दो सरल वाक्यों से एक संयुक्त वाक्य बनाइए–**

- मैंने उसे समझाया।
- उसने अनसुना कर दिया।

(*iv*) **निम्नलिखित वाक्य को सरल वाक्य में बदलिए–**

उसने सब्जी खरीदी और घर चला आया।

5. (क) **निम्नलिखित में से किन्हीं दो के समस्त पद बनाइए और समास के नाम भी लिखिए–** 2

नीला जो कमल, आज्ञा के अनुसार, दिन और रात।

(ख) '*वचनामृत*' तथा '*अन्याय*' का विग्रह करके समास का नाम लिखिए। 2

6. ***किन्हीं तीन की वाक्य-पूर्ति उपयुक्त मुहावरे से कीजिए–*** 3

(क) मैं रात-रात भर आँखें ..... और इधर परीक्षाएँ स्थगित हो गईं।

(ख) सर्दियों में एवरेस्ट की चढ़ाई करना ..... है।

(ग) चोरी पकड़े जाने पर उस पर घड़ों .....

(घ) पुलिस को आया देखकर चोर के पाँवों .....

7. ***नीचे लिखे किन्हीं चार वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए–*** 4

(क) भारतीय सेना गोले और तोपों से आक्रमण किया।

(ख) कपड़े ये किसके हैं?

(ग) शीला ने यह बात नहीं कहनी चाहिए।

(घ) मैं गरम गाय का दूध पीना चाहता हूँ।

(ङ) मैं चाय पी।

खंड 'ग'

8. ***निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए–*** 1+2+2=5

(क) धर्मतल्ले के मोड़ पर आकर जुलूस क्यों टूट गया? 'डायरी का एक पन्ना' नामक पाठ के आधार पर बताइए।

(ख) वज़ीर अली एक जाँबाज़ सिपाही था–स्पष्ट कीजिए।

(ग) समुद्र के गुस्से की क्या वजह थी? उसने अपना गुस्सा कैसे निकाला?

9. 'गिन्नी का सोना' पाठ का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए। 5

अथवा

'अनुभवों की पाठशाला' किताबों से दूर होते हुए भी समाज के विकास में उपयोगी है। 'बड़े भाई साहब' पाठ से उदाहरण देते हुए स्पष्ट कीजिए?

10. ***निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए–*** 2+2+1=5

(क) 'आत्मत्राण' में कवि किससे और क्या प्रार्थना कर रहा है?

(ख) पंत की कविता 'पर्वत प्रदेश में पावस' के आधार पर कोई दो चित्रात्मक उदाहरण दीजिए।

(ग) कबीर निंदक को क्यों आवश्यक मानते हैं?

अथवा

मैथिलीशरण गुप्त ने दधीचि और कर्ण के माध्यम से किस गुण की सराहना की है?

11. 'कर चले हम फिदा' में सैनिक की मूल भावना क्या है? 5

अथवा

दीपक दिखाई देने पर अँधियारा कैसे मिट जाता है? कबीर की साखी के आधार पर दीपक और अँधेरा का भाव स्पष्ट कीजिए।

12. **(क)** 'सपनों के-से दिन' के आधार पर बताइए कि किस प्रकार के अध्यापक भय पैदा करते हैं और किस प्रकार के अध्यापक प्रेरणा जगाते हैं? 3

अथवा

हरिहर काका जैसे वृद्धों के अनुभव समाज के लिए किस प्रकार उपयोगी बनाए जा सकते हैं? अपने विचार लिखिए?

(ख) इफ़्फन को घर में केवल अपनी दादी से ही प्यार क्यों था? 2

खंड 'घ'

13. ***दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए–*** 5

(क) जीवन में खेलों का महत्त्व

- विभिन्न प्रकार के खेलकूद
- खेलकूद व स्वास्थ्य
- खेलों के विविध लाभ

(ख) वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे

- परोपकार का अर्थ
- प्रकृति व मनुष्य के उदाहरण
- समाज की प्रगति के लिए आवश्यक

(ग) मोबाइल फोन

- आवश्यक उपकरण
- अनेक सुविधाएँ
- हानियाँ

14. ज़िला अस्पताल में व्याप्त गंदगी व अव्यवस्था के बारे में बताते हुए स्वास्थ्य मंत्री को पत्र लिखिए। 5

अथवा

आपके इलाके का पार्क उचित रखरखाव के अभाव में खराब हो गया है। सूचना देते हुए ज़िले के उद्यान अधिकारी को पत्र लिखिए।

15. कल विद्यालय में होली के कारण छुट्टी रहेगी। सूचना-पट पर लगाने के लिए 25-30 शब्दों में सूचना लिखिए। 5

अथवा

अध्यापक-दिवस पर काव्यपाठ प्रतियोगिता है। बच्चों को उसमें भाग लेने के लिए आमंत्रित करते हुए 25-30 शब्दों में सूचना लिखिए।

16. बाज़ार में आए नए पैन अथवा नए मोबाइल को लोकप्रिय बनाने हेतु 50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए। 5

17. पिता-पुत्र का संवाद 50 शब्दों में लिखिए जिसमें पिता पुत्र को सुबह जल्दी उठने की सीख दे रहे हों। 5

अथवा

50 शब्दों में दो मित्रों का संवाद लिखिए जिसमें परीक्षा का हाल-चाल पूछा गया हो।

गोल्डन सैंपल पेपर–3

हिंदी *(कोर्स-बी)*

कक्षा–X

निर्धारित समय : 3 घंटे *पूर्णांक : 80*

खंड 'क'

1. ***निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –***

संसार में अमरता ऐसे ही लोगों को मिलती है जो अपने पीछे कुछ आदर्श छोड़ जाते हैं जिनका स्थायी मूल्य होता है। बहुधा यही देखा गया है कि ऐसे व्यक्ति संपन्न परिवार में बहुत कम पैदा होते हैं। अधिकांश ऐसे लोगों का जन्म मध्यम वर्ग के घरों में या ग़रीब परिवारों में ही होता है। इस तरह उनका पालन-पोषण साधारण परिवार में होता है और वे सादा जीवन बिताने के आदी हो जाते हैं।

मनुष्य में विनय, उदारता, कष्ट-सहिष्णुता, साहस आदि चारित्रिक गुणों का विकास अत्यावश्यक है। इन गुणों का प्रभाव उसके जीवन पर पड़ता है। ये गुण व्यक्ति के जीवन को अहंकारहीन या सादा-सरल बनाते हैं। सादा जीवन या सादगी का अर्थ है–रहन-सहन, वेशभूषा और आचार-विचारों का एक निर्दिष्ट स्तर। जीवन में सादगी लाने के लिए दो बातें विशेष रूप से करणीय हैं, प्रथम कठिन से कठिन परिस्थितियों में धैर्य को न छोड़ना, द्वितीय अपनी आवश्यकताओं को न्यूनतम बनाना।

सादगी का विचारों से भी घनिष्ठ संबंध है। सादा जीवन व्यतीत करना चाहिए और अपने विचारों को उच्च बनाए रखना चाहिए। व्यक्ति की सच्ची पहचान उसके विचारों और करनी से होती है। मनुष्य के विचार उसके आचरण पर प्रभाव डालते हैं और उसके विवेक को जाग्रत रखते हैं।

(क) महापुरुष प्रायः कैसे परिवारों में जन्म लेते हैं? इससे उनके व्यक्तित्व पर क्या प्रभाव पड़ता है? 2

(ख) जीवन को सरल और सादा बनाने के लिए हमें क्या करना चाहिए? 2

(ग) रहन-सहन की सादगी का विचारों पर क्या प्रभाव पड़ता है? 2

(घ) वे कौन-से गुण हैं जो मनुष्य के चरित्र को उच्च व आदर्श बनाते हैं? 2

(ङ) इसका एक उचित शीर्षक दीजिए। 1

2. ***निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–***

चंदा-तारों-सी सहज कांति, नदियों में है मुस्कान भरी
है पवन-झकोरों में दुलार खेतों में है दौलत बिखरी
पग-पग मेरा विश्वास भरा
तप से है यह जीवन निखरा
प्रखर कर्म का पाठ सतत
पढ़ती मैं भारत माता हूँ।।
मैं वज्र-सदृश विपदाओं को भी अनायास सह लेती हूँ
सुधा-दान कर औरों को, मैं विष पीकर मुसकाती हूँ

धीरज का पाठ पढ़ाती हूँ
गौरव का मार्ग दिखाती हूँ
मैं सहज बोध, मैं सहज शक्ति
सुविवेकी भारत माता हूँ।।
मूर्तियाँ बना डालीं सजीव, अनगढ़ पत्थर को काट-काट
बंधुता-प्रेम को फैलाया, अपना ही अंतर बाँट-बाँट
जिसके गीतों से जगत् मुग्ध
जिसके नृत्यों पर जगत् मुग्ध
जिसकी कविता-धारा अविरल-
बहती वह भारत माता हूँ।।

(क) भारत माँ को सुविवेकी क्यों कहा गया है? 2
(ख) भारत ने अपना हृदय किस रूप में बाँटा है? 2
(ग) प्रस्तुत काव्यांश में भारतीय कलाकारों की किन-किन विशेषताओं की ओर संकेत किया गया है? 2

अथवा

जिस-जिससे पथ पर स्नेह मिला उस-उस राही को धन्यवाद।
जीवन अस्थिर, अनजाने ही हो जाता पथ पर मेल कहीं
सीमित पग-डग, लंबी मंजिल तय कर लेना कुछ खेल नहीं।
दाएँ-बाएँ सुख-दुख चलते सम्मुख चलता पथ का प्रमाद
जिस-जिससे पथ पर स्नेह मिला उस-उस राही को धन्यवाद।
जो साथ न दे पाए उनसे बोलो कब सूनी हुई डगर
मैं भी ना चलूँ यदि तो भी क्या, राही मर लेकिन राह अमर
इस पथ पर वे ही चलते हैं जो चलने का पा गए स्वाद
जिस-जिससे पथ पर स्नेह मिला उस-उस राही को धन्यवाद।

(क) *आशय स्पष्ट कीजिए–* 2
सीमित पग-डग, लंबी मंजिल तय कर लेना कुछ खेल नहीं।
(ख) जो लोग जीवन में साथ नहीं देते, उसके बारे में कवि क्या सोचता है? 2
(ग) कवि जीवन-पथ पर चलना किसे मानता है? 2

खंड 'ख'

3. रेखांकित पद का भेद लिखिए– 1
आज हमारी टीम मैच <u>खेलेगी।</u>

4. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन के उत्तर लिखिए– 3

(*i*) **संयुक्त वाक्य बनाइए–**
- वह पार्क में जाता है।
- वहाँ जाकर वह हँसता है।

(*ii*) **मिश्र वाक्य बनाइए–**
अध्यापक के आने पर सब छात्र चुप हो गए।

(*iii*) **सरल वाक्य बनाइए–**
यदि गाड़ी यों ही तेज चलती रही तो हम जल्दी पहुँच जाएँगे।

(*iv*) **संयुक्त वाक्य बनाइए–**

राम वनों में गए। वहाँ उन्हें अनेक कष्ट झेलने पड़े।

5. (क) **किन्हीं दो समस्तपदों का विग्रह करके समास का नाम लिखिए–** 2

विद्यालय, रजनीचर, गोपाल।

(ख) **किन्हीं दो विग्रहों से समस्त पद बनाइए तथा समास के नाम लिखिए–** 2

चार राहों का समाहार, भाव के अनुसार, एक दाँत वाला।

6. ***नीचे लिखे किन्हीं चार वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए–*** 4

(क) मोहन ने कल स्कूल गया।

(ख) मैं कमीज़ पहन ली।

(ग) एक चाय का गरम गिलास पीते जाएँ।

(घ) महात्मा गाँधी का देश आभारी रहेगा।

(ङ) मैं बदमाश को खूब मारी।

7. ***किन्हीं तीन मुहावरों को वाक्यों में प्रयुक्त कीजिए–*** 3

आँखें नीची होना, छाती पर सवार होना, छप्पन इंच का सीना होना, गिरगिट की तरह रंग बदलना।

खंड 'ग'

8. ***निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–*** 2+2+1=5

(क) 'आज जो बात थी वह निराली थी'–किस बात से पता चल रहा था कि आज का दिन अपने आप में निराला है? स्पष्ट कीजिए।

(ख) इम्तिहान पास कर लेना कोई चीज़ नहीं, असल चीज़ है बुद्धि का विकास। आशय स्पष्ट कीजिए।

(ग) प्रायश्चित करने के लिए लेखक की माँ ने क्या किया? 'अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले' पाठ के आधार पर बताइए।

9. 'ततँरा वामीरो कथा' आपको क्या संदेश देती है? 5

अथवा

'कारतूस' नामक एकांकी का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

10. प्रकृति मनोरम है। 'प्रकृति प्रदेश में पावस' के आधार पर स्पष्ट कीजिए। 5

अथवा

'मनुष्यता' कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहता है?

11. ***संक्षेप में उत्तर दीजिए–*** 2+2+1=5

(क) मीरा कृष्ण की चाकरी क्यों करना चाहती है?

(ख) तोप को क्यों सँभाल कर रखा गया है?

(ग) 'कर चले हम फिदा' कविता में कौन किस पर फ़िदा होना चाहता है?

अथवा

कबीर के अनुसार वाणी में मिठास कब आती है?

12. **(क)** इस संसार में स्वार्थ सच है या इंसानियत? 'ठाकुरबारी' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए। 5

अथवा

मनुष्य अपने गुणों के कारण प्रिय बनता है, संबंधों के कारण ही नहीं। इफ्फन के पिता पर टिप्पणी करते हुए प्रमाणित कीजिए।

(ख) पी टी साहब की शाबाशी तमगों जैसी क्यों लगती थी? 2

खंड 'घ'

13. अपने प्राचार्य को पत्र लिखकर पुस्तकालय में विज्ञान-पत्रिकाएँ मँगाइए। 5

अथवा

विद्युत विभाग को पत्र लिखकर बार-बार बिजली चले जाने की शिकायत कीजिए।

14. ***निम्नलिखित संकेत-बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए–*** 5

(क) परोपकार

(*i*) परोपकार का महत्त्व
(*ii*) परोपकार से प्राप्त अलौकिक सुख
(*iii*) परोपकार के विविध उदाहरण
(*iv*) परोपकार से जीवन सार्थक होता है।

(ख) समाचार-पत्र का महत्त्व

(*i*) समाचार-पत्र की आवश्यकता
(*ii*) विश्व-भर को जोड़ने का साधन
(*iii*) लोकतंत्र का प्रहरी
(*iv*) जनमत बनाने का साधन
(*v*) ज्ञान और मनोरंजन का साधन।

(ग) भारत प्यारा देश हमारा

(*i*) भारत का प्राकृतिक सौंदर्य
(*ii*) विविधताओं का सागर
(*iii*) धन और ज्ञान का भंडार
(*iv*) सत्य, अध्यात्म और अहिंसा का देश।

15. बढ़ते भ्रष्टाचार या दुराचार पर दो रेलयात्रियों का संवाद 50 शब्दों में लिखिए। 5

अथवा

गाड़ियों के देरी से चलने पर दो रेलयात्रियों के बीच 50 शब्दों में संवाद लिखिए।

16. नए बिस्कुट या नई चाय पर 50 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए। 5

17. विद्यालय में प्रवेश पाने की तिथि की 25-30 शब्दों में सूचना लिखिए। 5

अथवा

25-30 शब्दों में सूचना लिखिए कि कोई भी विद्यार्थी मोटरसाइकिल लेकर विद्यालय में नहीं आएगा।